ग्रामीण बैंकिंग संस्थान

भगवती प्रसाद

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना में प्रकाशित

प्रकाशन निदेशालय
गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर - 263145 (उ० प्र०)

मूल्य ₹ 74.00

पुस्तक क्रय - आर्डर-फार्म हेतु क्लिक करें

विषय-क्रम

1.	भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका	1
2.	कृषि उधार की संरचना एवं नीतियां	11
3.	कृषि क्षेत्रक में विभिन्न ऋणदाता अभिकरणों की भूमिका	29
4.	बचत एवं निवेश का महत्व	31
5.	देशी बैंकिंग या महाजनी	39
6.	भारतीय रिजर्व बैंक	57
7.	व्यावसायिक बैंकिंग	65
8.	सार्वजनिक क्षेत्रक में बैंक	91
	I. भारतीय स्टेट बैंक	91
	II. भारतीय स्टेट बैंक के सहायक बैंक	94
	III. 14 राष्ट्रीयकृत बैंक	97
	IV. बैंकों द्वारा ग्राम अंगीकरण	111
9.	भारत में सहकारी ऋण संस्थाएं	117
10.	भूमि विकास बैंक	166
11.	राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक	184
12.	भारत में विकास बैंकिंग	196
13.	डाक बचत बैंक	214
14.	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	222
15.	मार्गदर्शक बैंक योजना	227
16.	ग्रामीण रोजगार योजनाएं	232
	(क) कृषि सेवा केन्द्र	233
	(ख) ग्रामीण विकास के लिए पुरजोर (क्रैश) कार्यक्रम	233
	(ग) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम	233
	(घ) स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवक प्रशिक्षण	234
	(ड.) ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम	235
	(च) एकीकृत ग्राम विकास कार्यक्रम	236
	(छ) बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन में बैंकिंग संस्थानों की भूमिका	244
	(ज) रचनात्मक एवं नवप्रवर्तक परियोजनाओं की शुरूआत	246
	(झ) अंत्योदय कार्यक्रम	249
	(ञ) जवाहर रोजगार योजना	250
17.	गोदाम व्यवस्था एवं गोदाम प्राप्तियों के विरुद्ध ऋण प्राप्ति	254